

श्रीमद् भागवत कथा में गोवर्धन पूजा का उत्सव मनाया

जहां भागवत विराजित, वहां वृंदावन धाम

खुलासा फर्स्ट... इंदौर

जीवन में हर व्यक्ति को सद्गुण प्राप्त करना चाहिए। कथा श्रवण करने से प्रत्येक मनुष्य के मनोरथ पूर्ण होते हैं, जहां भागवत विराजमान होती है वहां वृंदावन धाम बन जाता है। भागवत मनुष्य का कल्याण करती है, जीवन में भौतिक प्रगति व आध्यात्मिक उन्नति भी होना चाहिए। काम, क्रोध, लोभ से मनुष्य ही बना है। व्यक्ति को अच्छा बनने के लिए मेहनत करना चाहिए, सद्कर्म के मार्ग पर ही चलें।

उक्त विचार ब्रज रत्न वंदना श्रीजी ने रसोमा चौराहा स्थित आनंदम क्लब एंड रिसॉर्ट में आयोजित सात दिवसीय श्रीमद् भागवत महापुराण कथा के पांचवें व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि जीवन में भगवान का स्मरण करके हर कार्य की शुरुआत करना चाहिए। जो कर्म परायण बनता है वो मोक्ष की प्राप्ति करता है। सत्संग से जीवन में दिव्य परिवर्तन आता है, जो व्यक्ति धर्म के पथ पर नहीं चलता है उसका कल्याण नहीं होता है, इसलिए धर्म के मार्ग पर चलें।



भगवान की लीलाओं का नाट्य मंचन

आयोजन प्रमुख गणेश गोयल और राज दीक्षित ने बताया कि श्रीमद् भागवत कथा में गोवर्धन पूजा उत्सव मनाया गया। भगवान कृष्ण बनकर बाल कलाकार ने मटकी फोड़ी। सैकड़ों महिलाओं ने भजनों पर नृत्य किया। सभी भक्तों ने भगवान कृष्ण की बाल लीलाओं का आनंद लिया। 65 से अधिक कलाकारों ने भगवान कृष्ण की लीलाओं का मंचन किया। प्रतिदिन भक्तों

को भोजन प्रसादी का वितरण किया जा रहा है। कथा में वंदना श्रीजी ने विभिन्न प्रसंगों का वर्णन किया। कथा में भगवान की लीलाओं का कलाकारों ने मनमोहक नाट्य मंचन भी किया। व्यासपीठ का पूजन-अर्चन और आरती विधायक रमेश मेंदोला, समाजसेवी प्रेमचंद गोयल, गणेश गोयल, राज दीक्षित, संदीप जोशी, सुधीर कोल्हे, बालमुकुंद सोनी, कालू गगोरे ने किया।